Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to run a passenger train beetween Saharsa and Patna.

श्री दिलेश्वर कामैत (सुपौल): सुपौल नेपाल से लगा बिहार का सीमावर्ती जिला है, जहां काफी वर्षों के बाद रेल यातायात शुरू हुआ है। सुपौल के सरायगढ़ व निर्मली के बीच अवस्थित रेल लाइन, आजादी के पूर्व ही भूकंप से ध्वस्त हो गयी थी। इसको लगभग 86 वर्षों के बाद पुनर्स्थापित किया गया। रेलवे लाइन पुनः चालू होने के बाद रेलवे द्वारा दरभंगा और सहरसा के बीच वाया झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़ और सुपौल होकर चार जोड़ी गाड़ियां चलायी जा रही हैं। इन सभी कार्यों के लिए सुपौल जिले की जनता रेलवे का हृदय से आभार प्रकट करती है। वर्तमान में सुपौल के किसी स्टेशन से पटना के लिए एक भी ट्रेन नहीं है। इससे इस जिले के लोगों को राजधानी पटना जाने में बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सहरसा से सुपौल होकर सरायगढ़, निर्मली, झंझारपुर, दरभंगा, हाजीपुर होते हुए पटना के लिए एक जोड़ी ट्रेन चलाने की आवश्कता है। इससे सुपौल, मधुबनी व दरभंगा के साथ- साथ नेपाल के लोगों को राजधानी पटना आने-जाने में सुविधा होगी।